A–592

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAKA–102/BAKK–102

नित्यकर्म, देवपूजन एवं कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप

कला में स्नातक (कर्मकाण्ड) बी.ए.

प्रथम वर्ष, सत्र 2024 (June)

समय : 2:00 घंटा पूर्णांक : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महालक्ष्मी पूजन विस्तार से लिखिए।

2. नित्य कर्मों की सविधि व्याख्या कीजिए।

3. सत्यनारायण व्रत कथा की विधि का वर्णन करते हुए महत्व समझाइए।

4. षोडश मातृकाओं के नामों का वर्णन करते हुए पूजन विधि लिखें।

5. संस्कारों के बारे में आप क्या जानते हैं ? किसी एक संस्कार का सविधि वर्णन करें।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गणपति–गौरी पूजन सविधि लिखिए।

2. महामृत्युंजय जप विधि का वर्णन करते हुए नवार्ण पुरश्चरण की विधि लिखिए।

3. श्री दुर्गा सप्तशती का परिचय दीजिए।

4. श्री गणेश जी की आरती एवं स्तुति लिखें।

5. व्रत एवं पर्वों की वैज्ञानिकता समझाइए।

6. नामकरण संस्कार की विधि लिखिए।

7. संतान गोपाल मंत्र अनुष्ठान का महत्व वर्णित कीजिए।

8. गीता के 15वें अध्याय का सार लिखें।

****